

मध्ये चापा उन्नेजनाओ साधारण घटना छिल।

● तबे सेइ संघर्ष केवल आर्य बनाम अन्यान्य जातिर मध्येइ सीमाबद्ध छिल—एमन नय।

वैदिक इतिहा एवं नारी : वैदिक समाजे नारीर एकटि सम्मानजनक स्थान छिल— ए कथा आमरा सबाई सुनेछि। एइ धारणार भित्ति संभवत प्राचीन वैदिक परम्पराय महिला ऋषिर उपस्थिति एवं सेइ सङ्गे परवर्तीकालेर वैदिक प्रथाय दार्शनिक आलोचनय नारीर अंशग्रहण। सेइजनयइ युक्ति देखानो हय, प्राचीनकाले शिक्षाय नारीर ये अधिकार छिल ए व्यापारे आमरा निश्चित हते पारि। आरो ये युक्तिगुलि उठे आसे ता हलो संभवत वियेर वयस तुलनामूलकताबे बेशि छिल। आर सती प्रथार कोनो प्रमाण पाओया यय ना। एछाड़ा खुब संभवत विधवा विवाहेरओ चल छिल। आर सबशेषे, आमरा जानते पारि ये शास्त्रानुष्ठान करार अधिकारओ छिल नारीदेर। वसुत, स्त्रीर उपस्थिति छाड़ा कोनो यजुइ सम्पूर्ण हतो ना। एइ युक्तिगुलो खुंटिये देखा यक। आर सेइसङ्गे विकल्प छविर संभावनार दिकटाओ एकवार देखे नेओया यक।

प्रथमत, आमरा देखेछि प्राचीन वैदिक इतिहाये महिला ऋषिर संख्या दुर्भाग्यजनकरकमेर कम। ऋग्वेदे संकलित रचनार मात्र एक शतांश नारीर रचना। एइ संख्या देखे कखनो बला यय ना ये, साधारणताबे शिक्षाय मेयेदेर अधिकार छिल किंवा विशेषताबे पवित्र इतिहाय रचना वा संकलने तादेर अबाध अधिकार देओया हयेछिल।





শুধুদেব,  
আপনি আছার  
বুড়ো আঙুলটাই  
কেন দক্ষিণা  
চান?

যাতে তুমি  
আর্থদেব  
কখনও বুড়ো  
আঙুল না  
দেখাতে  
পার!

বিস্তীর্ণ  
উযোজন